Gyanveer University
Sagar (M.P.)

Ph.D Entrance Test Syllabus
Session: 2024-25
हिन्दी

Part A : Research Methodology (अनुसंधान क्रियाविधि)

Part B : हिन्दी

Part-A
Research Methodology

इकाई – 1 शोध योग्यता :

अर्थ, प्रकृति और शोध के प्रकार, शोध प्रक्रिया, अर्थ, पहचान, चयन और शोध समस्या का निर्माण, शोध समस्या के स्त्रोत।

इकाई – 2 शोध क्षमताः

शोध डिजाइन का अर्थ, शोध डिजाईन की आश्यकता, अच्छे शोध डिजाईन की विशेषताएं और शोध डिजाईन के प्रकार – खोजपूर्ण, प्रायोगिक औन नैदानिक, परिकल्पना – अवधारणा स्त्रोत प्राकर, परिकल्पना का निर्माण, शून्य परिकल्पना।

इकाई – 3 डाटा व्याख्या :

डाटा संग्रहः प्राथमिक डाटा और माध्यमिक डाटा की अवधारणा और स्त्रोत और शोध, प्रश्नावली, साक्षात्मकार और सर्वेक्षण, अवलोकन, सामग्री विश्लेषण और माप पैमाने, विकास पैमाने की तकनीक, विश्वसनीय और पैमाने की वैधता में इसका उपयोग।

इकाई – 4 संख्यात्मक अभियोग्यताः

सांक्यिकीय पैकेजर का उपयोग करके डेटा विश्लेषण, परिकल्पना परीक्षण पैरामीट्रिक और गैर – पैरामीट्रिक परीक्षण अनुसंधान में पैरामीट्रिक और गैर – पैरामीट्रिक परीक्षण का उपयोग करते है। कम्प्यूटर का बेसिक नॉलेज, शब्द एक्सेल, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान के लिए सांख्यिकीय पैकेज का बुनियादी ज्ञान।

इकाई – 5 शोध रिपोर्ट :

रिपोर्ट के प्रकार और शोध रिपोर्ट की विशेषताएं, शोध रिपोर्ट का चारण, रिपोर्ट का लेआउट, उपयोगिता और शोध रिपोर्ट की सीमाएं, फुटनोट संदर्भ और संदर्भ सूची।

Gyanveer University
Sagar (M.P.)

Part-B
हिन्दी

1. विद्यापति–कृति–परिचय, गीतिकाला, श्रृंगारवर्णन, प्रतिपाद्य विषय : भक्ति या श्रृंगार।
2. कबीर – कृति – परिचय, भक्ति–पद्धति, दर्शन, रहस्य साधना, समाज – दर्शन, काव्यकला।
3. जायसी – कृति– परिचय, प्रशासनयोजना, प्रेम – भावना, लोकतत्व, रहस्य साधना, विप्रलंभ दर्शन, सौन्दर्य दृष्टि, रूपक तत्व
4. सूरदास–कृति– परिचय, भक्ति–पद्धति, वात्सल्य वर्णन, श्रृंगारवर्णन, प्रकृति चित्रण, दर्शन, भ्रमरगीत, गीतिकाला।
5. तुलसीदास–कृति–परिचय, प्रशासनयोजना, रसनिरूपण, समन्वयवाद, दर्शन, भक्ति:–पद्धति, उद्गमता।
6. बिहारी – कृति–परिचय, श्रृंगारवर्णन, बहुज्ञता, सौन्दर्य दृष्टि, काव्यात्मकता।
7. हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रवृतियाँ, काव्यधाराएँ, प्रतिनिधि रचनाकार, और उनकी रचनाएँ।
8. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की विभिन्न काव्यधाराएँ, प्रमुख निर्गुण संत कवि और प्रमुख सूफी कवियों का अवदान।
9. राम और कृष्णकाव्यरू प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य ।
10. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की विविध धाराएँ, प्रवृत्तियों और विशेषताएँ।

इकाई – 2 आधुनिक हिन्दी गय

1. स्कंदगुप्त (जयशंकर प्रसाद) प्रसाद की नाट्यसृष्टि, स्कंदगुप्त इतिहास और कल्पना, पात्रनिरूपण, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना,नाट्यशिल्प।
2. आधे–अधूरे (मोहन राकेश) मोहन राकेश की नाट्यसृष्टि, आधे–अधूरे पापनिरूपण, आधुनिकता बोध प्रयोगधर्मिता, नाव्यशिल्प।

3. गोदान (प्रेमचन्द) – प्रेमचन्द का उपन्यास संसार, गोदान महाकाव्य उपन्यास की परिकल्पना, गोदान और भारतीय किसान,गोदान की पात्रयोजना (गोदान के प्रमुख चरित्र) गोदान में यथार्थ और आदर्श, शिल्प।
4. वाणभट्ट की आत्मकथा (हजारीप्रसाद द्विवेदी) – हजारीप्रसाद द्विवेदी का उपन्यास– संसार, बाणभट्ट की आत्मकथा : इतिहास और कल्पना, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आधुनिकता, प्रमुख पात्र, शिल्प।
5. हिन्दी के प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, जैनेन्द्र कुमार, निर्मल वर्मा और कमलेश्वर।
6. हिन्दी के प्रमुख निबंधकार : बालकृष्ण भट्ट, रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिथ और कुबेरनाथ राय।
7. हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएं : कहानी, उपन्यास, नाटक तथा निबंध का इतिहास ।
8. संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का विकास। हिन्दी आत्तोचना का उद्भव एवं विकास, स्त्री विमर्श और दलित विमर्श का परिचय।

इकाई – 3 भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशाख

1. काव्य – लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार।
2. रस का स्वरूप, रस–निष्पति, साधारणीकरण।
3. अलंकार सिद्धान्त और अलंकारों के वर्गीकरण।
4. रीति की अवधारंणा और भेद, वक्रोक्ति की अवधारणा और भेद।
5. ध्वनि का स्वरूप और ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, औचित्य सिद्धान्त और औचित्य के भेद।
6. हिन्दी कवि– आचार्यों का काव्यशाखीय चिंतन : लक्षण, काव्य परंपरा। हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृतियों शाखीय, व्यक्तिवादी / सौष्ठववादी, ऐतिहासिक, मनोविश्लेषणवादी और सौंदर्यशास्त्रीय ।
7. अरतू : अनुकरण और विरेचन सिद्धान्त ।
8. लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा ।
9. टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत। आई. ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन।
10. सिद्धांत और वाद, अभिजातयवाद स्वच्छंदतावाद मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

इकाई–4 : आधुनिक हिन्दी काव्य

1. मैथलीशरण गुप्त : कृति परिचय, साकेत के नवम सर्ग का काव्य – सौन्दर्य, विरहवर्णन, चरित्रचित्रण।
2. जयशंकर प्रसाद :कृ ति–परिचय, कामायनी, प्रबंधविन्यास, चरित्रनिरूपण, रूपकतत्व, समरसता, और आनंदवाद, सौंदयवबोध।
3. सुमित्रानंदन पंत : कृति – परिचय, प्रकृतिचित्रण, कल्पनाशीलता, सौंदर्यचेतना, पंत की काव्यभाषा।
4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : कृति परिचय, निराला की प्रगतिचेतना, मुक्त, छंद, राम की शक्तिपूजा का काव्यसौंदर्य, कुकुरमुत्ता।
5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' – कृति – परिचय, प्रयोगधर्मिता, असाध्यावीणा का काव्यसौंदर्य ।
6. गजानन माधव मुक्तिबोध – कृति – परिचय, समाजबोध, प्रगतिशील चेतना फैंटेसी, ब्रह्मराक्षस का काव्य सौदर्य ।
7. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ, और साहित्यिक विशेषताएँ।
8. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
9. छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ, और साहित्यिक विशेषताएँ।
10. उत्तरछायावाद की विविध प्रवृत्तियों : प्रगतिबाद, प्रयोगपाद, नई कविता, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई–5

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

1. भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषाविज्ञान का स्वरूप तथा अध्ययन की दिशाएँ – वर्णात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
2. स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग्यंत्र और उसके अंग।
3. रूपविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद। बाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद।
4. अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन ।
5. हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी।
6. भाषा की प्रयोजनीयता और हिन्दी अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली, कार्यालयीन पत्राचार, पत्रकारिता के प्रकार, समाचार लेखन
7. संचार माध्यम और हिन्दी, इंटरनेट और हिन्दी। भाषा के विविध रूपः राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्कभाषा, संचार भाषा।
8. बुन्देली का उद्भव व विकास, बुन्देली के क्षेत्रीय रूप, बुन्देली का भाषा वैज्ञानिक स्वरूप तथा भाषा वैज्ञानिक विशेषताएँ।